हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

जनवीणा

WWW.JANVEENA.COM

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 13 | अंक : 06 | लखनऊ, 14 जनवरी, 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

अयोध्या में प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने का इंतजाम करेगी सरकार

अयोध्या। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन श्रद्धालुओं व पर्यटकों के रुकने की चाक-चौबंद तैयारी कर रहा है। इसके लिए होटल, धर्मशाला-गेस्ट हाउस, होम स्टे-पेइंग गेस्ट, टेंट सिटी- आश्रय स्थल, डॉरमेट्री आदि में व्यवस्था की जा रही है।

22 जनवरी को श्रीरामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। कई महीनों में अनेक राज्यों का दौरा कर चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मेजबान के रूप में 22 जनवरी के बाद लोगों को आमंत्रित भी कर चुके हैं। लिहाजा उनके रहने-खाने, रुकने, साफ सफाई की मुकम्मल व्यवस्था हो, इसके लिए सीएम योगी ने खुद खाका तैयार कर अफसरों को टास्क दे दिया है। योगी सरकार के निर्देश पर शासन-प्रशासन स्तर पर फिलहाल प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था की जा रही है। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इसमें और इजाफा भी किया जाएगा। विगत दिनों रामनगरी आए योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण व समीक्षा बैठकों में साफ-सफाई, आतिथ्य स्वागत व अच्छा व्यवहार हर हाल में सुनिश्चित करने को कहा था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन श्रद्धालुओं व पर्यटकों के रुकने की चाक-चौबंद तैयारी कर रहा है। इसके लिए होटल, धर्मशाला-गेस्ट हाउस, होम स्टे-पेइंग गेस्ट, टेंट सिटी- आश्रय स्थल, डॉरमेट्री आदि में व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल तैयारी के अनुसार वर्तमान में 60 होटलों में 40 कमरों के हिसाब से 7200 पीपीडी (पर्सन पर डे) को रोका जाएगा। 171 धर्मशाला-गेस्ट हाउस में 17 हॉल व 2742 कमरों की अनुमानित व्यवस्था है। 2742 कमरों में चार लोगों तथा 17 हॉल में पांच लोगों के ठहरने की व्यवस्था के अनुरूप माना जा रहा है कि 11818 पीपीडी रामनगरी में रुककर दर्शन-पूजन कर सकते हैं।

होम स्टे-पेइंग गेस्ट में 570 संपत्तियां हुईं ऑन बोर्ड

होम स्टे-पेइंग गेस्ट योजना के तहत भी अयोध्या में काफी कार्य हो चुका है। फिलवक्त यहां 570 संपत्तियां ऑन बोर्ड हो चुकी हैं। प्रति होम स्टे में चार कमरे और दो पीपीआर (पर्सन पर रेशियो) के हिसाब से प्रतिदिन 4400 लोगों के रुकने की व्यवस्था कराई जा रही है। फिलहाल सरकारी स्तर पर 200-200 लोगों की व्यवस्था वाली दो टेंट सिटी तथा तीन आश्रय स्थलों में 5100 व्यक्ति यानी कुल 5400 लोगों के रुकने की व्यवस्था कराई जा रही है। वहीं डॉरमेट्री की व्यवस्था के अनुरूप तीन व्यावसायिक संकुल में प्रस्तावित डॉरमेट्री में 700 बेड्स की व्यवस्था सुचारू रूप से की हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बीते दिनों अयोध्या आए थे। यहां कई टेंट सिटी के निरीक्षण के उपरांत उन्होंने यह निर्देश दिया था कि यहां आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होगी, लिहाजा होमस्टे-पेइंग गेस्ट और टेंट सिटी बढ़ाई जाए। सीएम ने प्रशासनिक स्तर पर की जा रही व्यवस्था के अलावा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व अन्य आनुसांगिक संगठनों की तरफ से हो रही व्यवस्था में भी और वृद्धि करने का आग्रह किया था।

प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था में और वृद्धि होगी। इस लिहाज से तैयारियों को बढ़ाया जाए रामनगरी पर सीएम योगी आदित्यनाथ की विशेष नजर है। वे नियमित यहां आकर निरीक्षण करते हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि रुकने वालों के साथ अतिथि देवो भव: के अनुरूप स्वागत, सम्मान व व्यवहार किया जाए।

ठिठुरन और कोहरे के साथ शुरू हुआ दिन, पूरा प्रदेश शीत लहर की चपेट में

लखनऊ। पूरा प्रदेश शीत लहर की चपेट में है। शनिवार के दिन की शुरुआत ठिठुरन, गलन और कोहरे से हुई। मौसम विभाग ने कुछ पूर्वानुमान जारी किए हैं। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार से शीत लहर का दौर शुरू हो गया है। ठंडी पछुआ हवाओं ने हाड़ कंपाना शुरू कर दिया है। कोहरा लगातार घना होता जा रहा है और कई इलाकों में कोल्ड डे कंडीशन बनी हुई है। शनिवार के दिन की शुरुआत ठिठुरन, गलन और कोहरे से हुई। कानपुर और आगरा शीत लहर की चपेट में रहे। तीन डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ कानपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। आगरा 3.9 डिग्री तापमान के साथ ठंड में दूसरे स्थान पर रहा। पूरे प्रदेश में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा और दो से तीन डिग्री तक की कमी दर्ज की गई है। लखनऊ में बृहस्पतिवार जैसे ही हालात रहे और न्यूनतम तापमान गिरावट के साथ 6.5 डिग्री की अपेक्षा 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, शीत लहर जैसे हालात की शुरुआत हो चुकी है।

शीत लहर और शीत दिवस से रहें सतर्क

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बनी हुई है। पछुआ हवाएं ठंड बढ़ा रही हैं।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के समय संतों पर हमला पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार के फेल होने का सुबूत

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कहना है कि पश्चिम बंगाल अराजकता की आग में झुलस रहा है। पश्चिम बंगाल सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह फेल हो चुकी है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की सरकार सभी मोर्चों पर फेल हो चुकी है। वहां अराजकता का माहौल है। बीते दिनों प्रवर्तन निदेशालय की टीम के अफसरों पर हमला हुआ था और अब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के समय साधु-संतों पर हमला हुआ है। दोनों ही घटनाओं में टीएमसी के गुंडे शामिल हैं। आने वाले समय में पश्चिम बंगाल की जनता टीएमसी को उखाड़ फेंकेगी।

ये है पूरा मामला

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में भीड़ द्वारा साधुओं की पिटाई करने से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिस पर भाजपा ने पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला बोला है। वीडियो में साधुओं के एक समूह को भीड़ द्वारा निर्वस्त्र कर उन्हें पीटते हुए देखा गया है। घटना पर पुरुलिया के एसपी ने कहा, %तीन साधु वाहन से जा रहे थे। गौरांडीह के पास तीन लड़कियां स्थानीय काली मंदिर में पूजा करने जा रही थी। एक कार तीनों लड़कियों के पास आकर रुकी। साधु ने उन लड़कियों से कुछ पूछा और भाषा की दिक्कत के कारण उन लड़कियों को ऐसा लगा कि साधु उनका पीछा कर रहे हैं।

सम्पादकीय

लोकतंत्र की रक्षा का विकल्प

महाराष्ट्र में जून 2022 से चल रहे राजनैतिक प्रहसन में 10 जनवरी को फिर एक नया मोड़ आया। विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने शिवसेना में दो फाड़ करने वाले एकनाथ शिंदे और उनके गुट के सभी विधायकों की अयोग्यता पर अपना फैसला सुना दिया। अनुमान के मुताबिक फैसला शिंदे गुट के पक्ष में ही आया। राहुल नार्वेकर ने 1999 के शिवसेना के संविधान को मान्य कहते हुए शिंदे गुट को ही असली शिवसेना माना है। इससे पहले शिवसेना के नाम और निशान लड़ाई में भी चुनाव आयोग ने भी शिंदे गुट के पक्ष में फैसला सुनाया था। महाराष्ट्र का मामला इससे पहले सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है, जहां अदालत ने शिंदे सरकार को बने रहने के निर्देश दिए थे लेकिन विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों की अयोग्यता पर फैसला सुनाने कहा था। अदालत ने श्री नार्वेकर को 31 दिसंबर तक फैसला सुनाने का निर्देश दिया था, लेकिन फिर भी समय सीमा 10 दिन बढ़ा दी गई। इस फैसले को सुनाने में चाहे लंबा वक्त लिया गया हो, लेकिन सभी को अहसास था कि भाजपा के राज में किसी भी तरह उद्धव गुट को जीत नहीं मिलेगी। अब फैसले के पीछे चाहे जो तर्क दिए जाएं, यह तो जाहिर ही है कि भाजपा के सहयोग से एक पार्टी में फूट डालकर, उसके मंत्रियों और विधायकों को खरीदकर भाजपा को सत्ता में लाया गया। पिछले चुनावों में महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की सरकार बनी थी, जिसमें भाजपा को विपक्ष में बैठना पड़ा था, लेकिन 2022 में भाजपा ने आपरेशन लोटस चलाया और सत्ता में आ गई। उसके बाद से शिवसेना में नाम, निशान और सत्ता की लड़ाई चली, जिस पर बुधवार को उद्धव गुट को एक और मात मिली है। बुधवार का फैसला आने से पहले स्पीकर श्री नार्वेकर और मुख्यमंत्री श्री शिंदे की मुलाकात भी हुई थी, जिस पर उद्धव गुट ने सवाल उठाए थे, लेकिन अब इंसाफकी लड़ाई में नीयत और नैतिकता के सवाल हाशिए पर धकेले जा रहे हैं फ्रेंच भाषा का एक शब्द है-देजा वू, यानी ऐसी कोई घटना या बात जिसे देख-सुनकर महसूस हो कि ऐसा पहले भी हुआ है। बस याद नहीं आता कि कब और कहां। महाराष्ट्र के ताजा प्रकरण को देखकर देजा वू जैसा अनुभव तो हुआ है, लेकिन जरा सा याददाश्त पर जोर डालें तो याद आ जाएगा कि लोकतंत्र का मखौल उड़ाने वाली ऐसी एक नहीं कई घटनाएं पिछले 10 सालों में देश में हुई हैं। जैसे राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि बाबरी मस्जिद को तोड़ना गलत था, लेकिन फिर भी राम मंदिर उसी जगह बनाने की अनुमति भी दे दी। गलती करने वालों को कोई सजा भी अब तक नहीं हुई और राम मंदिर का राजनैतिक उद्घाटन करने की तैयारी हो गई है। इसी तरह महाराष्ट्र मामले में भी 11 मई 2023 को अपने अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे की सरकार बहाल न करने का फैसला सुनाया था, क्योंकि श्री ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से खुद ही इस्तीफा दिया था। मगर इसके साथ ही इस पूरे प्रकरण में यह भी माना था कि शिवसेना के दूसरे गुट के व्हिप को मान्यता देकर विधानसभा अध्यक्ष ने गलत किया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि राज्यपाल ने फ्लोर टेस्ट करने का जो आदेश सुनाया था, वह गलत था। विधानसभा अध्यक्ष और राज्यपाल ने जो गलत किया, वो सही कैसे होगा, इसका कोई सूत्र अदालत के फैसले से नहीं मिला। अलबत्ता उद्धव ठाकरे को अपने एक साथी द्वारा दिए गए धोखे के बाद इस्तीफा देने की सजा सत्ता से बाहर होकर चुकानी पड़ी। अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, बिहार, पिछले 10 सालों में इन राज्यों में भाजपा का किसी न किसी तरह सत्ता में आना, राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन और शोध का विषय हो सकता है। विश्व में लोकतंत्र की सर्वाधिक प्रचलित परिभाषा है, जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन। लेकिन भारत में भाजपा के छत्र चले एक नयी परिभाषा और अध्याय लोकतंत्र के नाम पर लिखा जा चुका है। जिसमें तंत्र गाढ़े अक्षरों में लिखा हुआ है, और लोक को हाशिए पर धकेल दिया गया है। महाराष्ट्र में शिवसेना के प्रकरण के बहाने देश की अदालत और चुनाव आयोग जैसी स्वायत्त संस्था के पास सुनहरा मौका था कि वे लिखे हुए नियमों और कानूनों पर आंख मूंदकर चलने की जगह नैतिकता पर बल देते हुए गलत और सही के बीच के भेद को उजागर करते। इससे आईंदा कोई भी राजनैतिक दल कानून की कमजोरियों और अपनी ताकत का इस्तेमाल कर लोकतंत्र के अपहरण की गुस्ताखी नहीं करता। मगर ऐसा नहीं हुआ। अब महाराष्ट्र फिर उस मोड़ पर पहुंच गया है, जहां शिवसेना और समूचे लोकतंत्र के लिए एक नयी लड़ाई का रास्ता खुल गया है। उद्धव ठाकरे ने बुधवार को फैसला आने से पहले ही कह दिया था कि- यह वह मामला है जो साबित करेगा कि देश में लोकतंत्र बचेगा या नहीं।

स्वामी विवेकानंद जयंती सभी धर्म की अभिव्यक्ति

डॉ.नवनीत धगट

स्वामी विवेकानंद (1863 - 1902) एक महान आध्यात्मवादी, राष्ट्रनिर्माता भारतीय संस्कृति के भक्त और नैतिकता के पुजारी थे। उन्होंने विश्व मंच पर वेद और वेदान्त की प्रतिष्ठा स्थापित कर संसार को प्रभावित किया। पश्चिम की तुलना में भारत की भाषा,साहित्य, ज्ञान-विज्ञान, इतिहास, संस्कृति और धर्म कहां अधिक समृद्ध एवं उन्नत है उन्होंने यह सिद्ध करने का प्रयास किया। उन्होंने न केवल हिन्दू धर्म दर्शन का प्रचार किया वरन् दुनिया में प्रचलित अन्य धर्मों और मतों के श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों को आदर भाव से चर्चा की। स्वामी जी ने अपने भाषणों, लिखे पत्रों व लेखों के कुछ हिस्सों में इस्लाम धर्म एवं धर्मावलंबियों की प्रशंसा में विचार व्यक्त किये,टर्की का सुल्तान अफ्रीका के बाजार से एक नीग्रो खरीद सकता है, उसे जंजीरों में जकड़ कर टर्की ला सकता है लेकिन यदि वह नीग्रो इस्लाम स्वीकारता है और उसमें पर्याप्त योग्यतायें और क्षमताएं हैं तो वह सुल्तान की बेटी से ब्याह तक कर सकता है। इसकी तुलना नीग्रो अमेरिकियों और भारतीयों की अपने देश में किये जा रहे व्यवहारों से कीजिये। हिन्दू क्या करते हैं? यदि आपकी मिशनरी में से कोई किसी रूढ़िवादी का भोजन छू भी दे तो वह उसे उठाकर फेंक देगा। यदि हमारे महान दर्शन को छोड़ दें तो हमारी व्यवहारगत कमजोरियों को आप देख सकते है। पर दूसरी विचारधाराओं से भिन्न इस्लाम धर्मावलंबियों की खूबियां देखिए, जो रंग और जाति से हटकर समभाव- संपूर्ण समभाव प्रदर्शित करते हैं। उक्त विचार स्वामी विवेकानन्द ने 3 फरवरी 1900 को कैलिफोर्निया, अमेरिका में विश्व के श्रेष्ठ गुरू विषयक अपने भाषण में व्यक्त किये। विश्व में हिन्दू दर्शन को प्रतिष्ठा दिलाने में सक्रिय रहे, युग प्रवर्तक विलक्षण विचारक, ओजस्वी प्रखर वक्ता स्वामी विवेकानन्द द्वारा अभिव्यक्त विविध विचारों को व्यापक अर्थों में ग्रहण करने से सहज ही समझा जा सकता है कि स्वामी विवेकानन्द बिना किसी संकोच के विश्व में प्रचलित सभी धर्मों का निष्पक्ष भाव से आदर करते रहे। वे मानव धर्म, सेवा धर्म और मातृभूमि के प्रति उदात्त त्याग भाव से ओतप्रोत थे। विभिन्न धर्मावलंबियों, धर्मगुरुओं के श्रेष्ठ मानवीय गुणों का वे सहज सम्मान करते और बेलाग लपेट उनका आख्यान करते थे। कैलिफोर्निया में दिए उक्त भाषण में ही उन्होंने कहा, मुहम्मद साहब समानता के दूत थे। आप कहें उनके धर्म में क्या खूबी है? यदि उसमें खूबियां नहीं है तो वह जीवित कैसे हैं? मात्र अच्छाइयां ही जीवित रहती और चलती हैं। अच्छाई सबल है इसीलिए है। अशुद्ध,अपवित्र व्यक्ति का जीवन आज भी कितना लंबा होता है? नि:संदेह शुद्धता शक्ति है, अच्छाइयां शक्ति हैं। इस्लाम मानने वाले कैसे जीवित हैं, क्या उनकी शिक्षा में कुछ भी अच्छा नहीं है? उनमें ज्यादा अच्छाइयां हैं। मुहम्मद साहब मुसलमानों के भ्रातभाव के प्रवक्ता संत थे।

सभी संतों और दूतों का एक विशिष्ट संदेश होता है। पहले उनके सन्देश सुनने चाहिए फिर उनके जीवन को देखना चाहिए। आप देखेंगे कि उनका संपूर्ण जीवन स्वयं व्याख्यायित एवं प्रकाशवान है। मूर्ख अज्ञानी अपने मतों से आरंभ करके अपने मानसिक विकास के हिसाब के अपने विचारों के हित में व्याख्यायित करते हैं और उन्हें महान गुरुओं से संबंधित बताते हैं। वे इन शिक्षाओं को लेकर गलतफहमियां रखते हैं। सभी गुरुओं का मात्र जीवन ही उनकी सही टीका है। उनके जीवन को देखिये उन्होंने क्या किया? यही प्रेरणादायी रहेगा।

10 जून 1898 को मोहम्मद सरफ्राज हुसैन को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा- मानवता,प्रेम और अद्वैतवाद ही सभी धर्मों का मूल है। अद्वैतवाद समभाव के संबंध में उन्होंने लिखा- श्मेरे अनुभव में इस्लाम और मात्र इस्लाम ही एकमात्र ऐसा धर्म जिसमें समभाव को प्रशंसनीय तरीके से अपनाया।श् इसी पत्र में उन्होंने कहा-मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं व्यावहारिक इस्लाम के बिना वेदांतवाद के सूत्र चाहे वे कितने ही सार्वजनीन और चमत्कारपूर्ण क्यों न हों मानवमात्र के समग्र हितों के लिए मूल्यहीन हैं। हम मानव को जैसी स्थिति में ले जाना चाहते हैं वैसी स्थिति में मात्र वेद,बाइबिल और कुरान अकेले नहीं ले जा सकते हैं। इसके लिए वेद, बाइबिल और कुरान को समरस करना जरूरी है। सभी धर्म, एकात्मक धर्म की अभिव्यक्तियां हैं जिसे जो मुनासिब मार्ग लगे चुन सकता है। हमारी जन्मभूमि के लिए हिंदुत्व और इस्लाम की दो महान व्यवस्थाओं का सम्मिलन वेदांत मस्तिष्क और इस्लाम शरीर एकमात्र आशा है। मैं अपने अन्तरू करण से वेदांत मस्तिष्क और इस्लामी शरीर लिए क्रांतिवान अजेय सुदृढ़ भारत को इस अस्थिरता से निकाल कर अभ्युदय देखता हूं।

ईश्वर के प्रति आस्थावान, विश्व के इन दो महान आध्यात्मिक मार्गों पर चलने वाले सभी को साथ ले, समरसता लाकर भारत को विश्व का गुरुतर शक्तिकेंद्र बनाने में सफल हों। विश्व में बढ़ रही विध्वंसक चुनौतियों का सामना विश्वगुरु भारत इसी तरह कर सके। मेधावी विचारक, दार्शनिक की यह भविष्य दृष्टि, शुभाकांक्षा फलित हो, सर्वशक्तिमान से यही प्रार्थना है...।

सबसे उन्नत कॉम्पैक्ट एसयूवी: किआ ने एडैस वाली नई सॉनेट को 7.99 लाख रुपये की विशेष शुरुआती कीमत पर पेश किया

लखनऊ (यूएनएस)। भारत की अग्रणी प्रीमियम कार निर्माता, किआ ने अपनी सबसे प्रीमियम कॉम्पैक्ट एसयूवी-नई सॉनेट को देश भर में 7.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होने वाली विशेष प्रारंभिक कीमत पर पेश किया है। दिसंबर 2023 में पेश किए गए, किआ के दूसरे सबसे ज्यादा बिकने वाले इनोवेशन के इस नवीनतम संस्करण में 25 सुरक्षा सुविधाएं दी गई हैं, जिसमें 10 ऑटोनॉमस सुविधाओं वाला उत्कृष्ट एडैस और मजबूत 15 हाई-सेफ्टी विशेषताएं शामिल हैं। इस वाहन में 70 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाएं हैं, जैसे कि श्फाइंड माइ कार विद एसवीएमश, जो सॉनेट को सबसे आरामदायक ड्राइव बनाने के लिए कार के आसपास का दृश्य प्रदान करता है और हिंग्लिश कमांड देता है। नई सॉनेट 19 अलग-अलग वेरिएंट में अपनी उपलब्धता के साथ विविध प्रकार के ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है, जिसमें 9.79 लाख रुपये से शुरू होने वाले 5 डीजल मैनुअल वेरिएंट भी शामिल हैं। 10 ऑटोनॉमस फंक्शंस की विशेषता वाला सेगमेंट का बेस्ट एडैस लेवल 1, डीजल और पेट्रोल दोनों इंजन्स के लिए टॉप-ऑफ-द-लाइन वेरिएंट में उपलब्ध है। पेट्रोल में जीटी लाइन और एक्स-लाइन वेरिएंट की कीमत क्रमशः 14.50 और 14.69 लाख रुपये, और डीजल की कीमत 15.50 और 15.69 लाख रुपये है। नई मस्कुलर और स्पोर्टियर सॉनेट एक अपराइट बॉडी स्टाइल के साथ सड़क पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति बरकरार रखती है। फ्रंट कोलिजन-अवॉइडेंस असिस्ट (थ्ब।), लीडिंग व्हीकल डिपार्चर अलर्ट (स्टक।), और लेन फॉलोइंग असिस्ट (स्थ।) जैसी 10 ऑटोनॉमस सुविधाओं से भरपूर, इस लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी का यह नवीनतम संस्करण आधुनिक भारतीय ग्राहकों के व्यक्तित्व से गहराई से मेल खाता है। सुरक्षित ड्राइविंग अनुभव देने के लिए, इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (भ्ब), और व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट (टैड) सहित, सभी वेरिएंट में मजबूत 15 हाई-सेफ्टी फीचर मानक तौर पर दिए गए हैं। सॉनेट में इस पेशकश के साथ, किआ ने अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में 6 एयरबैग मानक बना दिए हैं। इसके अलावा, सॉनेट में 10 बेस्ट-इन-सेगमेंट सुविधाएं दी गई हैं, जिनमें डुअल स्क्रीन कनेक्टेड पैनल डिजाइन, रियर डोर सनशेड कर्टेन, और सुरक्षा के साथ ऑल डोर पावर विंडो वन-टच ऑटो अपध्डाउन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। निकटतम प्रतिस्पर्धियों की तुलना में, नई सॉनेट में कम से कम 11 फायदेमंद सुविधाएं हैं और यह तकनीकी रूप से सबसे उन्नत और सुविधा से भरपूर कॉम्पैक्ट एसयूवी है। नई सॉनेट में अब एक नई ग्रिल और नए बम्पर डिजाइन, क्राउन ज्वेल एलईडी हेडलैंप के साथ एक उन्नत फ्रंट फेस, आर16 क्रिस्टल कट अलॉय व्हील और स्टार मैप एलईडी कनेक्टेड टेल लैंप दिए गए हैं। नए सॉनेट के लॉन्चबध्कीमत की घोषणा करते हुए, किआ इंडिया के चीफसेल्स और बिजनेस स्ट्रेटेजी ऑफिसर, श्री म्युंग-सिक सोन ने कहा, श्हम नई सॉनेट को पेश करके कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट को पुनरू प्रीमियम बना रहे हैं। पुरानी सॉनेट ने अपने असाधारण डिजाइन और तकनीकी कौशल के साथ इस सेगमेंट का विस्तार किया था, और नई सॉनेट के साथ, हम इस सेगमेंट में अपने नेतृत्व को बहुत ऊपर ले जा रहे हैं। हम कम रखरखाव के समर्थन से पर्याप्त किफायती प्रस्ताव और सबसे उन्नत एडैस तकनीक के साथ शीर्ष स्तरीय सुरक्षा प्रस्ताव को जोड़ रहे हैं। इसके अलावा, यह गर्व से अपने सेगमेंट में सबसे कनेक्टेड कार के रूप में भी हमारे सामने है, जिसमें मजेदार हिंग्लिश कमांड और सराउंड व्यू मॉनिटर जैसी भविष्यवादी विशेषताएं दी गई हैं, जिन्हें छोटी और लंबी यात्रा दोनों के लिए सर्वोत्तम कॉम्पैक्ट एसयूवी ड्राइविंग अनुभव पेश करने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने आगे कहा, हमने पाया है कि सॉनेट अक्सर कई खरीदारों की पहली पसंद होती है, और इसलिए, हमने सॉनेट को उनके लिए अधिक सुलभ बनाने हेतु कीमत को प्रतिस्पर्धी रखने का सजग निर्णय लिया। एक आकर्षक उत्पाद प्रस्ताव के साथ, हमें यकीन है कि हम एक बार फिर से उपभोक्ताओं का दिल जीत लेंगे। इस वाहन के पुराने संस्करण की तरह, नई सॉनेट ने कनेक्टेड कार अनुभव पेश करते हुए पुनः मानदंड स्थापित किया है। यह वाहन 70 से अधिक कनेक्टेड कार अनुभवों का दावा करता है, जो स्वामित्व और ड्राइविंग अनुभव को पुनरू पारिभाषित करते हैं। सराउंड व्यू मॉनिटर (टड) के साथ फाइंड माई कार, हिंग्लिश वीआर कमांड, वैले मोड और रिमोट विंडो कंट्रोल जैसे कुछ फीचर्स को पेश करके, नई सॉनेट न केवल ग्राहकों को सहूलियत देती है बल्कि अतिरिक्त स्तर की सुरक्षा भी पेश करती है। सॉनेट का यह नवीनतम अवतार लक्जरी इंटीरियर के साथ इन-के बिन अनुभव को भी पुनरू परिभाषित करता है, जिसमें तकनीक - उन्मुख डैशबोर्ड, एलईडी एम्बिएंट साउंड लाइटिंग, 26.04 कलर एलसीडी एमआईडी और 26.03 बउ (10.25) एचडी टचस्क्रीन नेविगेशन के साथ डुअल स्क्रीन कनेक्टेड पैनल डिजाइन फुल डिजिटल क्लस्टर, स्टीयरिंग व्हील पर नया जीटी लाइन लोगो और 1 नए रंग के साथ 5 इंटीरियर कलर विकल्प दिए गए हैं।

झंडेवाला पार्क अमीनाबाद में मनाई गयी स्वामी विवेकानंद की जयंती

लखनऊ (यूएनएस)। प्रतिवर्ष की भांति स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिवस पर झंडेवाला पार्क अमीनाबाद में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, कार्यक्रम के आयोजक पूर्व नेता विधान परिषद विंध्यवासिनी कुमार साथ में महापौर सुषमा खरक्काल जी, सहित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने प्राचीनतम सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर रखा। इस अवसर पर अपने-अपने घरो में दिया जलाये, ये देश के सांस्कृतिक पुनरुद्धार की यात्रा है,इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक पूर्व नेता विधान परिषद विंध्यवासिनी कुमार ने कहा की हम स्वामी विवेकानंद जी जैसे विराट व्यक्तित्व को क्यों याद करते है क्योकिं स्वामी विवेकानंद जी से हम सभी को भारत की सनातन संस्कृति को स्वयं के आचरण में उतारने एवं इस हेतु समाज में कार्य करने की शक्ति एवं संबल मिलता है। उन्होंने बताया की स्वामी विवेकानंद जी ने दरिद्र की सेवा ही नारायण की सेवा है कहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर सुषमा खरक्काल, एम एल सी अवनीश सिंह ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया, रजनीश गुप्ता, क्षेत्रीय मंत्री जयति श्रीवास्तव, पूर्व संघठन मंत्री जय प्रकाश, विजयसेन सिंह, प्रो अशोक मिश्र, अधिवक्ता गिरीश सिन्हा, अधिवक्ता देवेश कुमार, पार्षद राजीव बाजपेयी, संदीप शर्मा, गिरीश गुप्ता, साकेत शर्मा, अधिवक्ता शैलेन्द्र शर्मा अटल, अधिवक्ता विश्वेश कुमार, अधिवक्ता नितीश श्रीवास्तव, अधिवक्ता विकर्ष श्रीवास्तव, अधिवक्ता किशन कुमार लोधी, मंडल अध्यक्ष जीतेन्द्र राजपूत, शैलू सोनकर, लुआक्टा के अध्यक्ष डा मनोज पांडे मनोज श्रीवास्तव, विजय गुलाटी, गणेश राय, रमेश तूफानी, विनीत यादव, कपिल कपूर सहित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राम मंदिर के निमंत्रण को लेकर काशी के डोमराजा खफा

लखनऊ (यूएनएस)। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। इस बीच काशी के डोमराज परिवार ने प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण किसी और को मिलने की बात पर नाराजगी जताई है। डोमराज परिवार ने आरोप लगाया कि निमंत्रण पत्र जिसको मिला, उसका डोमराज परिवार से कोई संबंध नहीं। डोमराज परिवार को प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण पत्र का इंतजार था।डोमराज ओम चौधरी ने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का निमंत्रण पत्र उन्हीं को मिलना था। निमंत्रण न मिलने से परिवार दुखी है। पौराणिक मान्यता है कि काशी में भगवान श्रीराम के पूर्वज राजा हरिशचंद्र कल्लू डोम के हाथों बिके थे। तबसे काशी में तीन राजाओं की परम्परा है। एक भगवान शिव, दूसरे काशी नरेश और तीसरे डोमराजा हैं। अभी डोमराजा की गद्दी पर 19 साल के ओम चौधरी हैं। उन्हें डोमराजा की मान्यता मिली हुई है।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण हरिश्चन्द्र घाट के अनिल चौधरी को सपत्निक मिला है।इससे मीरघाट पर रहने वाला डोमराजा परिवार बेहद नाराज है। परिवार का कहना है कि ये निमंत्रण उनको मिलना था। इसका उनको कई दिनों से इंतजार भी था।इसके बावजूद ये निमंत्रण किसी और को दे दिया गया। वो भी डोमराजा परिवार के नाम पर ये दुर्भाग्यपूर्ण है।

ड्रीम सिटी पर एलडीए का चला बुलडोजर, 70 बीघा जमीन पर कराया अवैध निर्माण

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ विकास प्राधिकरण वीसी इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग के खिलाफप्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वीसी के निर्देशों के तहत काकोरी के मौंदा नहर स्थित अवैध प्लॉटिंग का ध्वस्तीकरण किया गया। प्रवर्तन जोन 3 के जोनल अधिकारी देव्यांश त्रिवेदी ने बताया कि चांद कुरैशी प्रॉपर्टी व अन्य लोगों के द्वारा काकोरी के मौंदा में पानी फैक्ट्री के पास नहर के पास में सोसाइटी विकसित की जा रही थी., जिनके नाम ड्रीम सिटी, सगुन सिटी, कृष्णा विहार यहां पर लगभग 70 बीघा जमीन पर अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था।

अलीगढ़ में आईवीएफ की दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय बैठक सम्पन्न, पहले दिन वैश्य जिलाध्यक्षों ने किया मंथन

राजनैतिक चेतना से सुसमृद्ध वैश्य समाज विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भागीदारः डा नीरज बोरा

अलीगढ़। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की दो दिवसीय समागम मे सँगठन के प्रदेश अध्यक्ष तथा विधान मंडल सदस्य डा नीरज बोरा ने वैश्य समाज को विकसित भारत के निर्माण मे अग्रणी भागीदारी करने का आवाहन किया है । डा बोरा ने कहा राजनैतिक रूप चेतना सम्पन्न वैश्य समाज भारत के प्रधान मँत्री नरेंद्र मोदी के सँकल्प पूर्ति मे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है । प्रधान मँत्री नरेंद्र मोदी भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिये प्रयत्नशील है । वैश्य समाज अब और अधिक शक्ति के साथ इस कार्य मे अपनी प्रभावी भूमिका के लिये तैयार है ।

प्रदेश भर से वैश्य समाज के पदाधिकारियों की पहले दिन शुक्रवार को स्थानीय क्लार्क इन होटल में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (आईवीएफ) की उत्तर प्रदेश इकाई के तत्वावधान में आयोजित जिलाध्यक्षों की बैठक में प्रदेश के अधिकांश जनपदों के अध्यक्ष सम्मिलित हुए। प्रदेश अध्यक्ष एवं लखनऊ के विधायक डा. नीरज बोरा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में संगठन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, यूपी सरकार के पूर्व मंत्री व व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकान्त गर्ग, प्रदेश वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष एवं मुगलसराय के विधायक रमेश जायसवाल, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जगमोहन गुप्ता ने जिलाध्यक्षों को पाथेय प्रदान किया। संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने, प्रत्येक जिले में मासिक मिलन बैठकें करने, लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने की सहमति बनी।

बैठक में जिलाध्यक्षों ने अपने अपने जिलों की रिपोर्ट दी और

समाज हित में सुझाव भी दिए। इस दौरान मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री डा. अजय गुप्ता, रविकान्त गोयल, जालौन से पुरुषोत्तम दास गुप्ता, फर्रुखाबाद से कैलाश चन्द्र गुप्ता, मैनपुरी से सौरभ प्रकाश गुप्ता, फतेहपुर से महेन्द्र कुमार गुप्ता, सहारनपुर से सुनील गुप्ता, बांदा से सौरभ गुप्ता, बिजनौर से अभिनव अग्रवाल, आगरा से सौरभ सिंघल, लखनऊ से सुनील अग्रवाल, बदायूं से नवनीत गुप्ता, इटावा से विवेक गुप्ता, महोबा से अजय बरसैंया, अलीगढ़ से प्रदीप गंगा, चन्दौली से हरिश्चंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

औचक निरीक्षण के दौरान खामी पाये जाने पर प्रधान सहित सचिव को लगायी फटकार

संवाददाता

मौदहा - हमीरपुर गौ आश्रय स्थलों में मिल रही शिकायतों को संज्ञान में लेकर उप जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण कर गौशाला की व्यवस्थाओं के संबंध में ग्राम प्रधान व सचिव को लगाई फटकार।

बताते चलें कि मौदहा विकासखंड के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही गौशालाओं में अन्ना गोवंश को बंद कर उनके खाने-पीने के लिए समुचित व्यवस्था की गई है जिसमें खामियां मिलने पर ग्रामीणो ने उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुये दोषियो के खिलाफ कार्रवाई किये जाने की मांग की। संबंधित मामले को संज्ञान में लेकर उप जिलाधिकारी राजेश कुमार मिश्रा ने विकासखंड के अंतिम छोर में बसे ग्राम बुढ़ई की गौशाला का औचक निरीक्षण कर जमीनी स्तर पर जांच पड़ताल की जिसमें गोवंशों की उत्तम व्यवस्था में मिलने से एसडीएम ने खासी नाराजगी जहिर करते हुए संबंधित ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दुल्हन की तरह सजकर हुई तैयार, सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था

मंदिर के भूतल में स्वर्ण मंडित कपाट लगाने का क्रम प्रारंभ हो गया
राम लला के मंदिर के शिखर 161 फिट है ऊंचा,, शिखर पर लगाया जाएगा, 44 फिट का ध्वज दंड,,,जमीन से 220 फीट ऊंचाई पर लहराएगा,
अयोध्या को हवाई सेवा से जोड़ा गया रेल मार्ग पूरे भारत से यात्रा करने के लिए सुलभ, अंतर्राष्ट्रीय ख्यात प्राप्त कर रहा है अयोध्या धाम

अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की धर्म नगरी अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दुल्हन की तरह सजकर हुई तैयारद्य,सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्तद्य अयोध्या को हवाई सेवा से जोड़ा गया, रेल मार्ग पूरे भारत से यात्रा करने के लिए सुलभ।

स्वर्ण कपाटों से सज गया राम मंदिर, पहली तस्वीर आई सामने; 15 जनवरी तक पूरा हो जाएगा ये काम।

रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के बीच बहुप्रतिक्षित पल आ गया और मंदिर के भूतल में स्वर्ण मंडित कपाट लगाने का क्रम प्रारंभ हो गया। *भूतल के सभी 14 स्वर्ण जड़ित कपाट लगा दिए जाएंगे।* 15 जनवरी तक हरहाल में भूतल की तैयारी को अंतिम स्पर्श दिया जाना है।राम मंदिर के तीनों तल को मिलाकर कुल 44 कपाट लगाए जाने हैं। इसमें भूतल पर 18 कपाट हैं, 14 कपाट स्वर्ण मंडित होंगे। इन पर चढाने के लिए सोने की पत्तल तैयार की गई।

अयोध्या अंतर्राष्ट्रीय ख्यात प्राप्त कर रहा द्य राम नगरी में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का समय नजदीक आते ही.देश भर से भगवान राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए दूसरे राज्यो से उपहार लाए जा रहे हैं।

गुजरात के अहमदाबाद से 9 दिन की यात्रा तय करके अयोध्या लेकर आए चिराग पटेल ने बताया कि नगाड़ा लेकर आए है। यह नगाड़ा 500 किलो और नीचे की लारी 800 किलो की है। जिसकी लंबाई 56 इंच की है। नगाड़े पर सोने और चांदी कि पर्त चढ़ाई गई है। 500 किलो के इस भव्य नगाड़े में लोहे और तांबे की प्लेट का इस्तेमाल हुआ है। जिससे नगाड़े को हजारों वर्षों की आयु दी जा सके। इस नगाड़ा को 10 लोग लेकर यहां पर आए है। अखिल भारतीय डगबर समाज द्वारा श्री राम मंदिर के लिए 500 किलोग्राम का विशेष नगाड़ा बनाया गया है। इस नगाड़े को बनाने वाले डगबर समाज के 4 लोग श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दिन इसे मंदिर में बजायेंगे। इस नगाड़े पर सोने और चांदी कि पर्त चढ़ाई गई है। 22 जनवरी को और उसके बाद इसकी गूंज श्री राम मंदिर में सुनी जा सकेगी।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर सुरक्षा, ट्रैफिक के सखूत इंतजाम।

बस्ती जिले में एक ट्रैफिक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है।

18 जनवरी से अयोध्या में भारी वाहन प्रतिबंधित होंगे बाराबंकी ,बस्ती से अयोध्या की ओर नहीं जा सकेंगे भारी वाहन। भारी वाहनों को वैकल्पिक रूट पर डायवर्ट किया जाएगा। अयोध्या में दाखिल होने वाले हर वाहन की तलाशी होगी। बीजेपी ने रामदर्शन अभियान कमेटी में संगठन के 17 विभागों के प्रभारी बनाए।

बीजेपी की रामदर्शन अभियान कमेटी में राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, महामंत्री संगठन धर्मपाल , तरुण चुघ, मंत्री दयाशंकर सिंह और आरपी सिंह को कमेटी में किया शामिल।

बीजेपी हर दिन एक से डेढ़ लाख श्रद्धालुओं को कराएगी राम लला के दर्शन

श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन कराने के लिए 40 आस्था स्पेशल ट्रेन चलेगी

परिवहन निगम की 250-300 अयोध्या विशेष बसें चलेंगी

श्रद्धालुओं के लिए अलग अलग भाषाओं में संस्कृतिक आयोजन चलाए जाएंगे !

अयोध्या दर्शन कमेटी श्रद्धालुओं के आवास, भोजन, दर्शन और वापसी का इंतज़ाम करेगी

कमेटी के अलग अलग सदस्यों को सौंपी गई खानपान, सुरक्षा, पार्किंग, परिवहन, भजन संस्कृति, आवास, खोया पाया, मंदिर दर्शन और चिकित्सा व्यवस्था की जिम्मेदार!

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर सुरक्षा, ट्रैफिक के सख्त इंतजाम।

बस्ती जिले में एक ट्रैफिक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है।

18 जनवरी से अयोध्या में भारी वाहन प्रतिबंधित होंगे।

बाराबंकी ,बस्ती से अयोध्या की ओर नहीं जा सकेंगे भारी वाहन।

भारी वाहनों को वैकल्पिक रूट पर डायवर्ट किया जाएगा।

राम मंदिर को लेकर पर्यटन-सांस्कृतिक विभाग ने 14 जनवरी से 24 मार्च तक जारी किए कार्यक्रम।

राम वन गमन मार्ग पर निकलेगी राम चरण पादुका यात्रा।

मकर संक्रांति 15 जनवरी से चित्रकूट के भरतकूप से शुरू होगी रामचरण पादुका यात्रा।

19 जनवरी को अयोध्या (नंदी ग्राम) पहुचेगी राम चरण पादुका यात्रा।

22 जनवरी को क्रू मोदी की उपस्थिति में निकलेगी शोभा यात्रा।

श्री रामभद्राचार्य, चिन्मयानंद बापू, महंत राम दिनेश आचार्य, देवकी नंदन, अवधेशानंद जी जैसे सँतो के प्रवचन भी श्रद्धालुओ के लिये होगे ।

अयोध्या के संध्या मंच पर ए. आर रहमान, सोनू निगम, शंकर महादेवन, अनुराधा पौडवाल, अनूप जलोटा, कैलाश खेर जैसे दिग्गज देंगे प्रस्तुति।

कन्हैया मित्तल, प्रेम प्रकाश दुबे, ऋचा शर्मा, तृप्ति शाक्य, बतूल बेगम, साधो बैंड दिल्ली व शर्मा बंधु उज्जैन की होगी प्रस्तुति।*

*1111 शंखों के सामूहिक शंखनाद भी होगा।

प्रदेश के सभी मंदिरों धार्मिक स्थलों पर राम मंदिर भजन, रथ कलश यात्रा, प्रवचन, रामायण व सुंदरकांड का पाठ होगा।

सांस्कृतिक विभाग अयोध्या के 25 प्रमुख स्थलों के साथ 1200 मंदिरों में रामायण और सुंदरकांड का कराएगा आयोजन।

रामनगरी पहुंचा ध्वज दंड,,भगवान राम लला के नव्य मंदिर के शिखर पर जाएगा लगाया ध्वज दण्ड,, *राम लला के मंदिर के शिखर 161 फिट है ऊंचा,*, शिखर पर लगाया जाएगा* 44 फिट का ध्वज दंड,,,*जमीन से 220 फीट ऊंचाई पर लहराएगाद्य धर्म ध्वज*,,, अहमदाबाद से अयोध्या पहुंचा है श्रीराम ध्वज स्तंभ ,,22 जनवरी को प्रधानमंत्री ध्वज दंड में लगाएंगे धर्म ध्वजा,,7 महीने में बनकर तैयार हुआ है धर्म ध्वजा,, एलएनटी के द्वारा बनवाया गया है।

सहजन पेड़ नहीं मानव के लिए कुदरत का चमत्कार

सेंजन, मुनगा या सहजन आदि नामों से जाना जाने वाला सहजन औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके अलग-अलग हिस्सों में 300 से अधिक रोगों के रोकथाम के गुण हैं। इसमें 92 तरह के मल्टीविटामिन्स, 46 तरह के एंटी आक्सीडेंट गुण, 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड मिलते हैं। चारे के रूप में इसकी पत्तियों के प्रयोग से पशुओं के दूध में डेढ़ गुना और वजन में एक तिहाई से अधिक की वृद्धि की रिपोर्ट है। यही नहीं इसकी पत्तियों के रस को पानी के घोल में मिलाकर फसल पर छिड़कने से उपज में सवाया से अधिक की वृद्धि होती है। इतने गुणों के नाते सहजन चमत्कार से कम नहीं है। आयुर्वेद ने सहजन की जिन खूबियों को पहचाना था, आज के वैज्ञानिक युग में वे साबित हो चुकी हैं। सहजन को अंग्रेजी में ड्रमस्टिक कहा जाता है। इसका वनस्पति नाम मोरिंगा ओलिफेरा है। फिलीपीन्स, मैक्सिको, श्रीलंका, मलेशिया आदि देशों में भी सहजन का उपयोग बहुत अधिक किया जाता है। दक्षिण भारत में व्यंजनों में इसका उपयोग खूब किया जाता है।*

कम देखरेख और ढेरों फायदे

सहजन औषधीय गुणों से भरपूर है । इसकी फली के अचार और चटनी कई बीमारियों से मुक्ति दिलाने में सहायक हैं। यह जिस जमीन पर यह लगाया जाता है, उसके लिए भी लाभप्रद है। दक्षिण भारत में साल भर फली देने वाले पेड़ होते है. इसे सांबर में डाला जाता है। उत्तर भारत में यह साल में एक बार ही फली देता है। सर्दियां जाने के बाद फूलों की सब्जी बना कर खाई जाती है फिर फलियों की सब्जी बनाई जाती है। इसके बाद इसके पेड़ों की छटाई कर दी जाती है।सहजन वृक्ष किसी भी भूमि पर पनप सकता है और कम देख-रेख की मांग करता है। इसके फूल, फली और टहनियों को अनेक उपयोग में लिया जा सकता है। भोजन के रूप में अत्यंत पौष्टिक है और इसमें औषधीय गुण हैं। इसमें पानी को शुद्ध करने के गुण भी मौजूद हैं। सहजन के बीज से तेल निकाला जाता है और छाल पत्ती, गोंद, जड़ आदि से दवाएं तैयार की जाती हैं। सहजन में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन ए, सी और बी कॉम्प्लैक्स प्रचुर मात्रा में है। सहजन में दूध की तुलना में 4 गुना कैल्शियम और दुगना प्रोटीन पाया जाता है।

सैकड़ों औषधीय गुण

*सहजन की फली वात व उदरशूल में पत्ती नेत्ररोग, मोच, शियाटिका ,गठिया में उपयोगी है। सहजन की जड़ दमा, जलोधर, पथरी,प्लीहा रोग के लिए उपयोगी हैं। छाल का उपयोग शियाटिका ,गठियाए,यकृत आदि रोगों के लिए श्रेयष्कर है। सहजन के विभिन्न अंगों के रस को मधुर, बातघ्न, रुचिकारक, वेदनाशक,पाचक आदि गुणों के रूप में जाना जाता है सहजन के छाल में शहद मिलाकर पीने से वातए व कफ रोग शांत हो जाते है, इसकी पत्ती का काढ़ा बनाकर पीने से गठिया, शियाटिका ,पक्षाघात,वायु विकार में शीघ्र लाभ पहुंचता है, शियाटिका के तीव्र वेग में इसकी जड़ का काढ़ा तीव्र गति से चमत्कारी प्रभाव दिखता है। सहजन की पत्ती की लुगदी बनाकर सरसों तेल डालकर आंच पर पकाएं तथा मोच के स्थान पर लगाने से शीघ्र ही लाभ मिलने लगता है। सहजन को अस्सी प्रकार के दर्द व बहत्तर प्रकार के वायु विकारों का शमन करने वाला बताया गया है। सहजन की सब्जी खाने से पुराने गठिया ए जोड़ों के दर्दए वायु संचय , वात रोगों में लाभ होता है। सहजन के ताजे पत्तों का रस कान में डालने से दर्द ठीक हो जाता है।

सहजन की सब्जी खाने से गुर्दे और मूत्राशय की पथरी कटकर निकल जाती है। सहजन की जड़ की छाल का काढा सेंधा नमक और हिंग डालकर पीने से पित्ताशय की पथरी में लाभ होता है। सहजन के पत्तों का रस बच्चों के पेट के कीड़े निकालता है और उलटी दस्त भी रोकता है। सहजन फली का रस सुबह शाम पीने से उच्च रक्तचाप में लाभ होता है। सहजन की पत्तियों के रस के सेवन से मोटापा धीरे धीरे कम होने लगता है। सहजन. की छल के काढ़े से कुल्ला करने पर दांतों के कीड़ें नष्ट होते है और दर्द में आराम मिलता है। सहजन के कोमल पत्तों का साग खाने से कब्ज दूर होती है। सहजन की जड़ का काढे को सेंधा नमक और हींग के साथ पीने से मिर्गी के दौरों में लाभ होता है। सहजन की पत्तियों को पीसकर लगाने से घाव और सुजन ठीक होते है। सहजन के पत्तों को पीसकर गर्म कर सिर में लेप लगाए या इसके बीज घीसकर सूंघे तो सर दर्द दूर हो जाता है। सहजन के बीज से पानी को काफी हद तक शुद्ध करके पेयजल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसके बीज को चूर्ण के रूप में पीस कर पानी में मिलाया जाता है। पानी में घुल कर यह एक प्रभावी नेचुरल क्लैरीफिकेशन एजेंट बन जाता है। यह न सिर्फ पानी को बैक्टीरिया रहित बनाता है बल्कि यह पानी की सांद्रता को भी बढ़ाता है जिससे जीवविज्ञान के नजरिए से मानवीय उपभोग के लिए अधिक योग्य बन जाता है। सहजन के गोंद को जोड़ों के दर्द और शहद को दमा आदि रोगों में लाभदायक माना जाता है। सहजन में विटामिन सी की मात्रा बहुत होती है। विटामिन सी शरीर के कई रोगों से लड़ता है खासतौर पर सर्दी जुखाम से। अगर सर्दी की वजह से नाक कान बंद हो चुके हैं तोए आप सहजन को पानी में उबाल कर उस पानी का भाप लें। इससे जकड़न कम होगी।

सहजन में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है जिससे हड्डियां मजबूत बनती है। इसके अलावा इसमें आयरन , मैग्नीशियम और सीलियम होता है।सहजन का जूस गर्भवती को देने की सलाह दी जाती है। इससे डिलवरी में होने वाली समस्या से राहत मिलती है और डिलवरी के बाद भी मां को तकलीफ कम होती है। सहजन में विटामिन ए होता है जो कि पुराने समय से ही सौंदर्य के लिये प्रयोग किया आता जा रहा है। इस हरी सब्जी को अक्सर खाने से बुढापा दूर रहता है। इससे आंखों की रौशनी भी अच्छी होती है।सहजन का सूप पीने से शरीर का रक्त साफ होता है।

पिंपल जैसी समस्याएं तभी सही होंगी जब खून अंदर से साफ होगा।सहजन की पत्ती को सुखाकर उसकी चटनी बनाने से उसमें आयरन, फास्फोरस, कैल्शियम प्रचूर मात्रा में पाया जाता है। गर्भवती महिलाएँ और बुजुर्ग भी इस चटनी, अचार का प्रयोग कर सकते हैं और कई बीमारियों जैसे रक्त अल्पता तथा आँख की बीमारियों से मुक्ति पा सकते हैं। सहजन या सुरजने का समूचा पेड़ ही चिकित्सा के काम आता है। इसे जादू का पेड़ भी कहा जाता है। त्वचा रोग के इलाज में इसका विशेष स्थान है। सहजन के बीज धूप से होने वाले दुष्प्रभावों से रक्षा करते हैं। अक्सर इन्हें पीसकर डे केअर क्रीम में इस्तेमाल किया जाता है। बीजों का दरदरा पेस्ट चेहरे की मृत त्वचा को हटाने के लिए स्क्रब के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। फेस मास्क बनाने के लिए सहजन के बीजों के अलावा कुछ और मसाले भी मिलाना पड़ते हैं। सहजन के बीजों का तेल सूखी त्वचा के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह एक ताकतवर मॉश्चराइजर है। इसके पेस्ट से खुरदुरी और एलर्जिक त्वचा का बेहतर इलाज किया जा सकता है। सहजन के पेड़ की छाल गोखरू, कील और बिवाइयों के इलाज की अक्सीर दवा मानी जाती है। सहजन के बीजों का तेल शिशुओं की मालिश के लिए प्रयोग किया जाता है। त्वचा साफ करने के लिए सहजन के बीजों का सत्व कॉस्मेटिक उद्योगों में बेहद लोकप्रिय है। सत्व के जरिए त्वचा की गहराई में छिपे विषैले तत्व बाहर निकाले जा सकते हैं। सहजन के बीजों का पेस्ट त्वचा के रंग और टोन को साफ रखने में मदद करता है।मृत त्वचा के पुनर्जीवन के लिए इससे बेहतर कोई रसायन नहीं है। धूम्रपान के धुएँ और भारी धातुओं के विषैले प्रभावों को दूर करने में सहजन के बीजों के सत्व का प्रयोग सफल साबित हुआ है।

*सहजन के पौष्टिक गुणों की तुलना

*विटामिन सी- संतरे से सात गुना।

*विटामिन ए- गाजर से चार गुना।

*कैलशियम- दूध से चार गुना।

*पोटेशियम- केले से तीन गुना।

*प्रोटीन- दही की तुलना में तीन गुना।

असली शिवसेना

महाराष्ट्र में असली शिवसेना की दावेदारी के लिये लंबे चले विवाद के बाद विधानसभा स्पीकर ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद बागी विधायकों की अयोग्यता के मामले में फैसला शिंदे गुट के पक्ष में दे दिया है। विधानसभा अध्यक्ष ने साफकिया है कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ही असली कहलवाने का हक रखती है। निस्संदेह, इससे शिंदे सरकार पर मंडरा रहा खतरा फिलहाल टल गया है। हालांकि, उद्धव गुट ने इस फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती देने का भी निर्णय किया है। दरअसल, महाराष्ट्र स्पीकर राहुल नार्वेकर ने दस जनवरी को राजनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील मामले में यह फैसला सुनाया था। हालांकि, शिंदे गुट इस मामले में खुद को पार्टी का असली वारिस बताकर जनता में भावनात्मक संदेश देने का प्रयास कर रहा है। वास्तव में स्पीकर के फैसले के बाद एक ओर जहां शिंदे मंत्रिमंडल के भविष्य को लेकर लगाये जा रहे कयासों पर विराम लगा है, वहीं 21 जून, 2022 में पार्टी विभाजन के बाद उत्पन्न हालात के बीच सोलह बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने तथा व्हिप का उल्लंघन पर कार्रवाई की मांग भी निष्प्रभावी हो गई है। निश्चित रूप से इस फैसले के बाद सरकार में शामिल शिंदे गुट व भाजपा ने राहत की सांस ली होगी। वहीं उद्धव ठाकरे गुट इस दौरान विधानसभा स्पीकर व मुख्यमंत्री की मुलाकात के मद्देनजर निर्णय की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसे में निर्णय का विरोध करने और शीर्ष अदालत जाने की बात से लगता है कि इस विवाद का अभी पूरी तरह पटाक्षेप नहीं हो पाया है। ऐसे में माना जाना चाहिए कि जब आम चुनावों के साथ राज्य में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं तो निर्णायक फैसला जनता की अदालत से ही आएगा। वही तय करेगी कि असली शिवसेना शिंदे गुट की है या उद्धव ठाकरे की। यह भी कि राजनीतिक जोड़तोड़ ज्यादा प्रभावी होता है या जनता का दल के धड़े विशेष से भावनात्मक लगाव। कह सकते हैं कि जनादेश ही असली-नकली का फर्क मिटाएगा। बहरहाल, महाराष्ट्र में शिवसेना के बागी विधायकों के मसले का भले ही तकनीकी रूप से समाधान होता नजर आता हो, लेकिन यह आने वाला वक्त बताएगा कि एक समय महाराष्ट्र की राजनीति व समाज में वर्चस्व रखने वाली शिवसेना का असली वारिस कौन होगा। ऐसे में भले ही उद्धव ठाकरे के हाथ से बाजी निकलती दिखाई दे रही हो, लेकिन यदि ठाकरे इस मुद्दे को भावनात्मक रंग देकर जनता की अदालत में पीड़ित के रूप में गुहार लगाते हैं तो तसवीर में बदलाव भी हो सकता है। विधानसभा स्पीकर ने चुनाव आयोग के फैसले को भी आधार बनाया है, जिसके चलते शिंदे गुट को मान्यता मिली है। जिसके मूल में शिवसेना का संविधान भी रहा है। दरअसल, 1999 में तैयार शिवसेना के संविधान में कहा गया था कि पार्टी प्रमुख का फैसला ही पार्टी का फैसला होगा। जिसके चलते शिंदे गुट को फायदा मिला और उद्धव गुट के हाथों से बाजी निकल गई। हालांकि, विभाजन के दंश से जूझ रही महाराष्ट्र की राजनीति में यही सवाल एनसीपी के विभाजन से भी उठा। जब एनसीपी के विधायकों का एक गुट पार्टी से अलग होकर सरकार में शामिल हो गया। शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट ने पार्टी का खुद को असली दावेदार बताया। साथ ही सरकार में शामिल विधायकों को अयोग्य ठहराने की बात कही। आम चुनाव व विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे महाराष्ट्र के राजनीतिक दलों में यह गहमागहमी आने वाले दिनों में और तेज होने की उम्मीद है। बहरहाल, राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते पार्टी में विद्रोह व नये राजनीतिक समीकरण बनाना महाराष्ट्र की राजनीति का अभिन्न अंग बन चुका है।

मैं तीसरी पीढ़ी का हूं, जो इस आन्दोलन के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ: योगी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या नगरी में प्रभु श्रीराम का स्वयं के भव्य मंदिर में पुनरागमन हो रहा है। यद्यपि प्रभु श्रीराम सर्वव्यापी हैं, लेकिन भव्य मंदिर में उनका आगमन हृदय स्पर्शी होगा। तुलसीदास जी ने कहा था कि अवधपुरी सोहइ एहि भाँती, प्रभुहि मिलन आई जनु राती।' अर्थात् अवधपुरी इस प्रकार सुशोभित हो रही है, मानो प्रभु से मिलने आई हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप अयोध्या में इस भावना को जमीनी धरातल पर उतारने का कार्य विगत दो-तीन वर्षों से प्रदेश सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री आज यहां फार्चून होटल सभागार में एक दैनिक समाचार पत्र द्वारा आयोजित श्रीरामोत्सव-सबके राम कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं तथा देश और दुनिया में निवास करने वाले सनातन धर्मावलम्बी 22 जनवरी की तिथि का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'अवधपुरी प्रभु आवत जानी, भई सकल शोभा कै खानी।' अर्थात् प्रभु के आगमन का समाचार सुनकर अवधपुरी सम्पूर्ण शोभा की खान हो गई है। इसी भाव के साथ प्रदेश सरकार अयोध्या को सजाने-संवारने का कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा अयोध्या में अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से अनेक प्रयास किए गए हैं। भारतीय जनमानस प्रफुल्लित और उत्साहित है। प्रभु श्रीराम के विग्रह को उनके भव्य मंदिर में विराजमान होने की तिथि नजदीक आ रही है, यह भावनात्मक क्षण है। उन्होंने कहा कि वह तीसरी पीढ़ी के हैं, जो इस आन्दोलन और अभियान के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस है। स्वामी विवेकानंद जी ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई। सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश शासन द्वारा बरती जा रही क्रूरता और बर्बरता के कारण लोगों के मन में निराशा का भाव था। उस कालखण्ड में स्वामी विवेकानन्द जी ने युवाओं को नई प्रेरणा दी। उन्होंने कहा था कि 'उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में निरन्तर प्रयास करते रहो'। हम सभी इस बात का अनुसरण करते हैं। अयोध्या में प्रभु श्रीराम सर्वव्यापी हैं। हम सभी को मात्र निमित्त बनना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या का संघर्ष एक मात्र ऐसा संघर्ष है, जो सन 1528 से लेकर वर्ष 2019 तक निरन्तर चलता रहा। प्रभु श्रीराम के बिना भारतीय जनमानस द्वारा किसी भी कार्य की कल्पना नहीं की जा सकती। घर में होने वाले मांगलिक, धार्मिक तथा सामाजिक कार्यक्रमों, दैनिक आचार-व्यवहार तथा जीवन की अंतिम यात्रा में प्रभु श्रीराम का स्मरण किया जाता है। जीवन का ऐसा कोई कार्य नहीं जो प्रभु श्रीराम के बिना होता हो। प्रभु श्रीराम कण-कण में विराजमान हैं। भारत की आस्था का सम्मान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्तियों की सात्विक, राजसिक, तामसिक आदि पृथक-पृथक प्रवृत्तियां होती हैं। जैसे एक पिता के चार पुत्र अलग-अलग राह चुनते हैं, वैसे ही दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग प्रवृत्तियां होती हैं। कुछ देश ऐसे हैं, जिनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति है। कुछ देश अपनी सांस्कृतिक विरासत को महत्व देते हैं। भारत का नागरिक अपनी आस्था को महत्व देता है। शासन तथा सत्ता पर उसकी निर्भरता न्यूनतम रहती है। वह अपने अनुसार स्वयं की चर्या को तय करता है। भारतीय जनमानस में समाज सदैव आगे तथा सरकारें पीछे रही हैं। जो सरकार आस्था का सम्मान करती है, भारतीय जनमानस उसे अपने सिर-आंखों पर रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में राजनीतिक इकाइयां भले ही अलग-अलग रही हों, लेकिन उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम तक भारत की सांस्कृतिक एकता सदैव अटूट रही है। हजारों वर्षों पूर्व प्रभु श्रीराम ने भारत की जो सीमा तय की थी, वर्तमान में वही सीमा उत्तर से दक्षिण तक है। पूर्व से पश्चिम तक भगवान श्रीकृष्ण द्वारा तय की गयी सीमा है। केरल से निकले सन्यासी ने देश के चारों कोनों में पीठ की स्थापना की। कपिलवस्तु के एक राजकुमार ने संन्यासी बनकर ज्ञान का उपदेश दिया। भारत आस्था का सम्मान करता है। विश्व को आस्था के सम्मान की राह भी भारत ने दिखायी है। यह स्थिति प्रत्येक कालखण्ड में देखने को मिली है। हम सभी यही स्थिति आज अयोध्या में देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री होने के नाते अयोध्या को पहचान दिलाने का उनका उत्तरदायित्व था। इसलिए पहले दिन से दृढ़विश्वास था कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज नहीं तो कल अयोध्या में प्रभु श्रीराम का मन्दिर अवश्य बनेगा। वर्ष 2017 में अयोध्या में दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। आज यह अयोध्या का प्रमुख उत्सव बन चुका है। इस उत्सव में वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री जी का आगमन हुआ था। वर्ष 2023 के उत्सव में 54 देशों के राजदूत सम्मिलित हुए थे। अयोध्या के दीपोत्सव में दक्षिण कोरिया की प्रथम महिला भी सम्मिलित हो चुकी हैं। आज यह उत्तर प्रदेश का बड़ा ईवेंट बन चुका है। विभिन्न पर्व तथा त्योहारों के दृष्टिगत अयोध्या में 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति, स्वच्छ घाट, स्वच्छ पेयजल, नगर तथा गली, मोहल्लों की साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं का क्रम चलाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम जी की पैड़ी के विस्तार तथा उत्तम जल निकासी एवं साफ-सफाई की व्यवस्था के कारण अब यहां लाखों श्रद्धालु एक समय में स्नान कर सकते हैं। रामकथा पार्क का उन्नयन किया गया। श्रीराम भजन संध्या स्थल के निर्माण के साथ-साथ उसके ऊपर से गुजरने वाली हाईटेंशन विद्युत लाइन को हटाया गया। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रभु श्रीराम के सर्वाधिक भजनों का गायन करने वाली सुर साम्राज्ञी स्व0 लता मंगेशकर का वीणा के साथ भव्य स्मारक अयोध्या नगरी में निर्मित किया गया। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अयोध्या को डबल लाइन रेलवे कनेक्टिविटी प्रदान की जा चुकी है। पहले अयोध्या में सड़कें नहीं थीं, अब अयोध्या को लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी से जोड़ते हुए 04-लेन तथा 06-लेन कनेक्टिविटी प्रदान की जा चुकी है। अयोध्या के अन्दर भी 04-लेन तथा 06-लेन कनेक्टिविटी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया घाट से श्रीराम जन्म भूमि होते हुए फैजाबाद कस्बे तक तथा लखनऊ-अयोध्या हाईवे तक 04-लेन कनेक्टिविटी प्रदान की गयी है। इस मार्ग को राम पथ मार्ग नाम दिया गया है। अयोध्या को हाईवे से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग को धर्म पथ तथा हनुमान गढ़ी होते हुए श्रीराम जन्मभूमि तक जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण कर भक्ति पथ नाम दिया गया है। यह सभी मार्ग 04-लेन से जुड़ चुके हैं। अयोध्या के अन्दर तथा उसके चारों ओर सुन्दरीकरण का कार्य किया गया है।

महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार बेहद संवेदनशील: केशव

लखनऊ (यूएनएस)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज कैम्प कार्यालय से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समस्त कैडरों के साथ विभिन्न बिन्दुओ पर वार्ता की। उप मुख्यमंत्री ने बीसी सखियों, विद्युत सखियों व कैडर के लोगों से वार्ता करते जहां उनके क्रियाकलापों के उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण गुर बताए, वहीं उनमे नयी ऊर्जा व नये उत्साह का संचार भी किया। उन्होंने विभिन्न सखियों से सीधा संवाद करते हुये फील्ड में हो रहे कार्यों का फीडबैक लिया, उनकी समस्यायें भी सुनी और उनका उत्साहवर्धन भी किया। सफाई व स्वच्छता के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री के विजन की विस्तार से चर्चा करते हुए समूहों से भी स्वच्छता अभियान में प्राण प्रण से सहभागिता करने की अपील की। हर ग्राम अयोध्या धाम, हर मन्दिर श्री राम मंदिर के भाव के साथ 14 से 22जनवरी तक विशेष स्वच्छता अभियान चलायें। दीदियां 22 जनवरी को अपने घरों में दीपावली मनायें, इसके लिए लोगों को प्रेरित भी करें, समूह की दीदियां दीपक बनाने के कार्य में और अधिक तेजी लायें, रंगोली सजायें और उनकी फोटो वीडियो क्लिप बनाये, उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करें और मुख्यालय भी भेजें। भगवान राम हिन्दुओं के लिए आस्था व श्रद्धा के केन्द्र हैं, लेकिन मुसलमानो के पूर्वज हैं।उप मुख्यमंत्री ने दीदियों से संवाद करते हुये कहा कि समूहों की दीदियां नमो ऐप डाउनलोड करें इसके लिए उन्होंने रेफ़्ल कोड-श्रस्र्ट्रट-थ्‌ को भी साझा किया।उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन ग्राम पंचायतों में बीसी सखी का चयन नहीं हो पाया है ,वहां बहनों को आवेदन व प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित करते हुये प्रशिक्षण कार्य पूर्ण कराया जाए, जिससे सरकार के वन जीपी वन बीसी यानि प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक बीसी सखी के लक्ष्यों पूर्ण किया जा सके। प्रत्येक ग्राम पंचायत में विद्युत सखी का चयन कराया जाये।संवाद के दौरान सभी जिलों व विकास खण्डो में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि समूहों के कारोबार को बढ़ाने के भरसक प्रयास किये जांय।महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार बेहद संवेदनशील व गम्भीर है।समूहों के उत्पाद की गुणवत्ता और अधिक बढ़ाना है।कहा कि समूहों के उत्पाद की बिक्री के लिए उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। श्री अन्न मोटे अनाजों के महत्व व महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाले समय में इसका स्कोप और बढ़ेगा,इसकी उपयोगिता के दृष्टिगत इसकी मांग भी बढ़ी है, इसलिए श्री अन्न के उत्पादन में समूह आगे कदम बढ़ायें।कहा कि प्रदेश मे 1.20 करोड़ से अधिक परिवार स्वयं सहायता समूहों से जुड़े हैं, लेकिन महिला सशक्तिकरण की बहुत सफल योजना होने के कारण इसमें समूहों की संख्या बढ़ाना अनिवार्य आवश्यकता है और हर तरह के प्रयास कर स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ाई जाय, इसके लिए टारगेट फिक्स किया जाए।उन्होंने कहा कि 26जनवरी तक चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा में दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठायें।वीडियो कान्फ्रेंसिंग के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कौशाम्बी की बैंक सखी कशिश साहू, अयोध्या की बैंक सखी कुसुम मौर्य, सोनभद्र की समूह सखी , संजू,वाराणसी की बीसी सखी आलम आरा, प्रयागराज की विद्युत सखी संजू व बिजनौर की विद्युत सखी मीटर रीडर सुनीता से उनके क्रियाकलापों के बारे में जानकारी हासिल की व उनका उत्साहवर्धन भी किया।

23 जनवरी से 18 फरवरी तक बुन्देलखण्ड के 7 जिलों में होंगी पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां: जयवीर

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 23 जनवरी से 18 फरवरी 2024 तक बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव का आयोजन बुन्देलखण्ड के 07 जनपदों में किया जायेगा। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यटकों एवं सैलानियों को बुन्देलखण्ड के सभी जनपदों में मौजूद ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पौराणिक महत्व के स्थलों के बारे में जानकारी मिलेगी। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन भी सृजित होंगे। बुन्देलखण्ड के पिछड़ेपन को दूर करने में पर्यटन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी क्योंकि एक पर्यटक कम से कम 06 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है। पर्यटन मंत्री आज पर्यटन भवन के सभागार में बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव की रूपरेखा एवं इससे संबंधित ''लोगो'' के अनावरण के अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि 23 जनवरी से शुरू हो रहे 16

दिवसीय बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव के तहत झांसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट तथा बांदा में विभिन्न कार्यक्रम एवं हेरीटेज वॉक का आयोजन किया जायेगा। यह कार्यक्रम 23 जनवरी को झांसी के किले से शुरू होकर 18 फरवरी को बांदा जनपद के कलिंजर फोर्ट में समाप्त होगा।उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड अपने गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक इमारतों और प्राकृतिक सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है। हर जिले की अपनी अलग पहचान, भेष-भूषा, खान-पान तथा सांस्कृतिक विविधता है। इस कार्यक्रम के दौरान यहां की विविधता को विश्व से परिचित कराने का प्रयास किया जायेगा।

बुन्देलखण्ड में 34 किले गढ़ी तथा ऐतिहासिक इमारतें हैं। पर्यटन विभाग राजस्थान प्रदेश की तर्ज पर इनका पुनर्रोद्धार और सौन्दर्यीकरण करके पीपीपी मोड पर संचालित कराना चाहता है। बरूआ सागर तथा चुनार के किलों के फाइनल बिड खोली गयी है। मध्य प्रदेश में बुन्देलखण्ड की तरह ही यूपी में स्थित बुन्देलखण्ड का विकास किया जायेगा। स्थानीय जनजीवन को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर बुन्देलखण्ड का पिछड़ापन दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। भविष्य में बुन्देलखण्ड यूआई के ग्रोथ इंजन के रूप में कार्य करेगा। मीडिया एवं सोशल मीडिया की बुन्देलखण्ड को पिछड़ेपन के कुचक्र से निकालने में ब्राण्डिंग एवं मार्केटिंग के रूप में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

मोदी के भावुक संदेश पर बोले केशव मौर्य

लखनऊ (यूएनएस)। अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह होने वाला है। इस समारोह से पहले देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यानी शुक्रवार से 11 दिन का विशेष अनुष्ठान आरंभ किया। उन्होंने एक संदेश में कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वह इस पुण्य अवसर के साक्षी बनेंगे। उन्होंने कहा ''मैं आप सभी जनता-जनार्दन से आशीर्वाद का आकांक्षी हूं, 'मैं भावुक हूं, भाव-विह्वल हूं। उनके इस भावुक संदेश के बाद यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीराम और भारत भक्ति को कांग्रेस, इंडी गठबंधन राजनीतिक चश्मे से देखना बंद करे! यह करोड़ों रामभक्तों का अपमान है! 11 दिवसीय अनुष्ठान का

संकल्प श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी के लिए रखने पर पीएम मोदी का सभी सनातनी स्वागत करते हैं! पीएम मोदी ने कहा, ''प्रभु ने मुझे प्राण प्रतिष्ठा के दौरान, सभी भारतवासियों का प्रतिनिधित्व करने का निमित्त बनाया है और इसे ध्यान में रखते हुए मैं आज से 11 दिन का विशेष अनुष्ठान आरंभ कर रहा हूं। मैं आप सभी जनता-जनार्दन से आशीर्वाद का आकांक्षी हूं। प्रधानमंत्री ने एक ऑडियो संदेश भी पोस्ट करते हुए कहा कि इस वक्त किसी की भावना को शब्दों में बांधना मुश्किल है लेकिन वह कोशिश कर रहे हैं।

रोजगार को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज करने का वर्चुअल मीटिंग में निर्णय

लखनऊ (यूएनएस)। हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 6 लाख रिक्त पदों को तत्काल भरने जैसे सवालों को लेकर संयुक्त युवा मोर्चा के बैनर तले प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज करने का निर्णय युवाओं ने वर्चुअल मीटिंग में लिया। रोजगार को लेकर जारी प्रदेशव्यापी मुहिम और प्रयागराज में 32 दिनों से अनवरत जारी धरना प्रदर्शन के बावजूद युवाओं के वाजिब सवालों को हल करने को लेकर सरकार के रवैए से युवाओं ने गहरी नाराजगी जताई। युवा दिवस के मौके पर वक्ताओं ने कहा कि 6 लाख रिक्त पदों को भरने के वायदे को लेकर सरकार कतई गंभीर नहीं है। शिक्षा सेवा आयोग का 30 जनवरी तक विधिवत गठन, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 46 हजार बीपीएड शिक्षकों के लिए नियमित भर्ती, माध्यमिक विद्यालयों में योगा के 5 हजार पदों के प्रस्ताव पर अमल करने,टीजीटी पीजीटी विज्ञापन में 25 हजार रिक्त सीटें शामिल करने, एलटी व प्रवक्ता जीआईसी, प्राथमिक शिक्षक भर्ती, समूह ग्गश् व तकनीकी संवर्ग समेत अन्य विभागों में रिक्त पदों को तत्काल विज्ञापित करने, सभी भर्तियों में न्यूनतम 3 साल उम्र सीमा में छूट, सभी लंबित भर्तियों को चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले पूरा करने जैसे सवालों को हल करने को लेकर वर्चुअल मीटिंग में प्रदेशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि सरकारी नौकरी व रोजगार सृजन के सरकारी दावे सच्चाई से परे हैं।

राजेश्वर सिंह ने लोकबन्धु अस्पताल में बंटवाया कंबल

लखनऊ (यूएनएस)। सरोजनीनगर विधानसभा सीट से विधायक राजेश्वर सिंह कम्बल वितरण महाभियान के तहत कंबल पहुंचा कर हर क्षेत्र, हर वर्ग के जरुरतमंदों को कड़ाके की ठंड और शीतलहर से बचाकर उनके चेहरों पर मुस्कान ला रहे हैं। अब तक सरोजनीनगर के करीब 12,000 से अधिक लोगों तक ठंड से बचाव के लिए विधायक राजेश्वर सिंह ने कंबल पहुंचाया है।सरोजनीनगर के प्रत्येक असहाय, निराश्रित और जरूरतमंद तक कंबल पहुंचाने के क्रम में लोकबंधु अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गरीब, असहाय, मरीजों और तीमारदारों के बीच कम्बल वितरण किया गया। इलाज कराने आये सभी मरीजों, तीमारदारों और अन्य असहायों को विधायक राजेश्वर ने अपनी टीम द्वारा कंबल भिजवाया, इस कड़ाके की ठंड में राहत पाकर सभी के चेहरे खिल उठे, सभी ने अपने क्षेत्र के विधायक की जमकर सराहना की। बता दें लोकबन्धु परिसर में हर निराश्रित, जरूरतमंदों को भोजन कराने के उद्देश्य से विधायक राजेश्वर द्वारा पूर्व में संचालित तारा शक्ति नि:शुल्क रसोई की भी लोगों ने जमकर सराहना की। अवगत हो कि पिछले वर्ष 18 अगस्त से संचालित श्तारा शक्ति नि:शुल्क रसोई से प्रतिदिन सुबह-शाम 4000 लोगों से

अधिक लोगों को भोजन करवाया जा रहा है। कंबल वितरण के दौरान लोकबन्धु अस्पताल के सीएमएस राजीव दीक्षित और एमएस अजय शंकर त्रिपाठी भी मौजूद रहे, जिन्होंने विधायक राजेश्वर सिंह के इस पहल की जमकर सराहना की।वहीं शुक्रवार को ग्राम भटगांव के निराश्रितों और असहायों को विधायक राजेश्वर द्वारा कंबल प्रदान किया गया। अबतक सरोजनीनगर स्थित वृद्धाश्रम के वृद्धजनों, मानसिक मॉदित आश्रयगृह की महिलाओं, दृष्टिबाधित विद्यालय के छात्रों, रैन बसेरों में रहने वाले असहायों, क्षेत्र के 4 प्रमुख मॉदिरों, राहगीरों समेत सरोजनीनगर कई क्षेत्रों में कंबल वितरित करने के साथ-साथ विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथ अध्यक्षों के माध्यम से हर- गांव, हर गली के जरूरतमंदों तक 12000 से अधिक कंबल वितरित किए जा चुके हैं। अपने विधानसभा के लोगों को ठंड से बचाने के लिए विधायक राजेश्वर सिंह द्वारा हर संभव मदद का प्रयास किया जा रहा है। हर असहाय, निराश्रित और जरूरतमंदों तक कंबल पहुँचाने के लिए राजेश्वर सिंह के टीम के द्वारा युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। बता दें कि शीत ऋतु के प्रारंभ से विधायक राजेश्वर सिंह द्वारा यह महा अभियान चलाया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चुनाव आयोग करेगा यूपी दौरा

लखनऊ (यूएनएस)। देश में होने वाले आगामी लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोग यूपी का दौरा करने वाली है। 29 जनवरी को टीम लखनऊ आएगी। 30 जनवरी को लखनऊ में सभी जिलों के डीएम,एसपी, पुलिस कमिश्नर, मंडलायुक्त के साथ आयोग समीक्षा बैठक कर स्थिति का जायजा लेंगे। इसके बाद 31 जनवरी को सभी दलों के साथ मुलाकात करेंगे।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।